हीरो एंटरप्राइज की मेज़बानी में आयोजित माइंडमाइन समिट में शीर्ष नेता और विचारक शामिल हुए

नयी दिल्ली। हीरो एंटरप्राइजेज़ द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र थिंक टैंक माइंडमाइन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित भारत के सबसे प्रभावशाली विचार मंच माइंडमाइन समिट का 11वां संस्करण आज राष्ट्रीय राजधानी में शुरू हुआ। इस साल के इस दो दिवसीय समिट का विषय है 'अवरोध-भारत के लिए नयी सामान्य चीज़?' जिसमें आज पहले दिन सरकार में वरिष्ठ मंत्री, उद्योगपति और विभिन्न क्षेत्रों से विचारक अपने विचारों का आदान प्रदान करने के लिए शामिल हुए। इस सम्मेलन का उद्घाटन माननीय शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री श्री वेंकैया नायडू ने किया। इस अवसर पर माननीय रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु भी मौजूद थे। समिट के दौरान श्री सुनील कांत मुंजाल ने इंपैक्ट इनवेस्टिंग के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी और आविष्कार-इंटेलकैप ग्रुप का हिस्सा आविष्कार द्वारा शुरू किए गए आविष्कार भारत फंड में 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की भी घोषणा की। यह निवेश रोज़गार, शिक्षा एवं कौशल, पर्यावरण, स्वास्थ्य और वित्तीय समावेश के संदर्भ में आज इस देश के समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों से निपटने की श्री मुंजाल की प्रतिबद्धता दर्शाता है।इस समिट का उद्घाटन करते हुए माननीय शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री श्री वेंकैया नायडू ने कहा, ''सोशल मीडिया के ज़रिये लोगों की शिकायतें दूर करना हमारी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। वास्तव में इंस्टाग्राम पर हमारे प्रधानमंत्री के सबसे ज्यादा फॉलोअर्स है, अमेरिकी राष्ट्रपति से भी ज्यादा। हम अवरोध के युग में जी रहे हैं जोकि इस सरकार की नीति निर्माण प्रक्रिया में भी

आता है। वास्तव में, दुनियाभर की बाधा हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्य करने के तरीके में सबसे अधिक आती है। जहां विमुद्रीकरण भ्रष्टाचार के खिलाफ एक लड़ाई है, वित्तीय लेनदेन का डिजिटलीकरण इससे सुनिश्चित हुआ है। जीएसटी एकल कर प्रणाली का एक क्रांतिकारी क्रियान्वयन है। डिजिटल भुगतान चैनलों के लिए अभियान और वित्तीय समावेश से भारतीयों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण सुनिश्चित होगा और उन्हें औपचारिक वित्तीय व्यवस्था के दायरे में लाएगा। वित्तीय समावेशी अभियान के तहत 28 करोड़ बैंक खाते पहले ही खोले जा चुके हैं।''सम्मानित अतिथि माननीय रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु ने कहा, ''भारतीय रेल की भविष्य में महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। हम अगले पांच साल में ढांचागत विकास में 140 अरब डॉलर का निवेश करने की संभावना तलाश रहे हैं। सभी मीटर गेज पटरियों को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया जाएगा। हम भारतीय रेल के संपूर्ण डिजिटलीकरण की दिशा में काम कर रहे हैं जिससे अरबों डॉलर की बचत होगी। रेलवे पटरियों के नवीकरण और पटरियों में टूटफूट का पता लगाने को नवीनतम प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए करीब 10,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी जिससे दुर्घटना की दर शून्य स्तर पर लाने में मदद मिल सके।''वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा, ''मुझे नहीं लगता है कि वैश्वीकरण पीछे हटने की राह पर है। निश्चित तौर पर कुछ चुनौतियां हैं क्योंकि वैश्वीकरण की वजह से संचित धन से ज्यादातर बहुराष्ट्रीय कंपनियों को लाभ हुआ है और इसका सभी में समान वितरण नहीं हुआ है। इसके परिणाम स्वरूप कुछ हद तक यह पीछे खिसका है।